Literacy for a Billion

Movie: An Evening In Paris
Year: 1967

Song: Raat Ke Humsafar
Lyricist: Shailendra

रात के हमसफ़र
थक के घर को चले
झूमती आ रही है
सुबह प्यार की
देखकर सामने
रूप की रोशनी
फिर लुटी जा रही है
सुबह प्यार की

सोनेवालों को हँसकर
जगाना भी है
रात के जागतों को
सुलाना भी है
देती है जागने की
सदा साथ ही
देती है जागने की
सदा साथ ही
लोरियाँ गा रही है
सुबह प्यार की

रात के हमसफ़र
थक के घर को चले
झूमती आ रही है
सुबह प्यार की
देखकर सामने
रूप की रोशनी
फिर लुटी जा रही है
सुबह प्यार की
रात ने प्यार के
जाम भर कर दिए
आँखों आँखों से जो
मैंने तुमने पीए
होश तो अब तलक
जाके लौटे नहीं
होश तो अब तलक
जाके लौटे नहीं
और क्या ला रही है
सुबह प्यार की

रात के हमसफ़र
थक के घर को चले
झूमती आ रही है
सुबह प्यार की
देखकर सामने
रूप की रोशनी
फिर लुटी जा रही है
सुबह प्यार की

क्या क्या वादे हुए
किसने खाई क़सम
इस नई राह पर
हमने रखे क़दम
छुप सका प्यार कब
हम छुपाएँ तो क्या
छुप सका प्यार कब
हम छुपाएँ तो क्या
सब समझ पा रही है
सुबह प्यार की

रात के हमसफ़र
थक के घर को चले
झूमती आ हा हा...
आ हा हा...
प्यार की

उँ हूँ हूँ
प्यार की
उँ हूँ हूँ
प्यार की

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.